Headline

- **Karnataka Election: BJP ने कसा तंज, कहा- कांग्रेस को चुनाव के दौरान लिंगायतों पर आता है प्यार**
- **Badshah: बादशाह के 'सनक' पद होगी एफआईआर, महाकाल के पुजारी महादेव के साथ अश्लील शब्दों के इस्तेमाल से भड़के**
- **MEA: सूडान में भारतीयों की सुरक्षा के लिए इन चार देशों से संपर्क में भारत, जयशंकर खुद कर रहे स्थिति की निगरानी**
- **Meta Layoffs: मेटा में आज से फिर छंटनी! जानें किन कर्मचारियों को बाहर करने की तैयारी में है सोशल मीडिया कंपनी**
- **Atiq Ashraf Murder: कोर्ट ने तीनों शूटरों की चार दिन की रिमांड मंजूर की, क्राइम सीन रीक्रिएट कर सकती है पुलिस**

*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

दैनिक डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 8 अंक : 279 | इंदौर, बुधवार 19 अप्रैल, 2023 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

भोपाल, छिंदवाड़ा में आंधी और बारिश

मप्र में फिर बदला मौसम, इंदौर भी भीगेगा

अगले तीन दिन ऐसा ही मौसम

भोपाल। मध्यप्रदेश में बारिश और आंधी का दौर फिर से शुरू हो गया है। बुधवार तड़के 3 बजे भोपाल में आधे घंटे तक गरज-चमक के साथ तेज पानी गिरा। अभी भी बादल हैं। तेज हवाओं के साथ हल्की बूंदाबांदी हो रही है। छिंदवाड़ा में भी मंगलवार देर रात आंधी के साथ पानी गिरा। इंदौर और उज्जैन संभाग के जिलों में भी हल्की बारिश हो सकती है। भोपाल में दोपहर बाद मौसम और बिगड़ेगा। हल्की बारिश के साथ 30 से 40 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से आंधी भी चल सकती है। अगले 3 दिन मौसम ऐसा ही रहेगा। 20 और 21 अप्रैल को भी हल्की बूंदाबांदी का दौर जारी रहेगा।

मौसम वैज्ञानिक नरेंद्र मेश्राम ने बताया कि बुधवार को भोपाल, धार, रायसेन, विदिशा, इंदौर, खंडवा, खरगोन, देवास, आगर-मालवा समेत अन्य शहरों में चमक-गरज के साथ बारिश हो सकती है। वहीं, 30 से 40 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से आंधी चलेगी। भोपाल में दोपहर बाद मौसम बदलेगा। यहां दिन का पारा 40 डिग्री तक रह सकता है। उन्होंने बताया कि राजस्थान के ऊपर चक्रवाती घेरा है। इसका असर मध्यप्रदेश में भी देखने को मिल रहा है। दो-तीन दिन तक इसका असर रहेगा। इसके बाद पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टरबेंस) भी एक्टिव होगा।

भोपाल में बुधवार सुबह 7 बजे भी हल्की बूंदाबांदी हुई। आसमान में बादल है। भोपाल में आज अधिक के आसार हैं। आंधी भी चलेगी। 20, 21 और 22 अप्रैल को मौसम बदला रहेगा। दोपहर बाद बादल छाएंगे। 22 अप्रैल को हल्की बूंदाबांदी भी हो सकती है।

भोपाल में बुधवार सुबह 7 बजे भी हल्की बूंदाबांदी हुई। आसमान में बादल है। भोपाल में आज अधिक के आसार हैं। आंधी भी चलेगी। 20, 21 और 22 अप्रैल को मौसम बदला रहेगा। दोपहर बाद बादल छाएंगे। 22 अप्रैल को हल्की बूंदाबांदी भी हो सकती है।

● कब - कहां बारिश, आंधी और बादल रहेंगे

19 अप्रैल : भोपाल, विदिशा, रायसेन, सीहोर, राजगढ़, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, बुरहानपुर, खंडवा, खरगोन, धार, इंदौर, उज्जैन, देवास, गुना, अशोकनगर, उमरिया, डिंडोरी, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, दमोह, सागर और छतरपुर।

20 अप्रैल : भोपाल, राजगढ़, नर्मदापुरम, बैतूल, बुरहानपुर, खंडवा, खरगोन, बड़वानी, सतना, अनूपपुर, शहडोल, उमरिया, डिंडोरी, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला और बालाघाट।

21 अप्रैल : राजगढ़, नर्मदापुरम, बैतूल, अनूपपुर, डिंडोरी, छिंदवाड़ा, सिवनी और मंडला।

● मौसम में बदलाव से पहले गर्मी का असर

इससे पहले मंगलवार को गर्मी ने तीखे तेवर दिखाए। खजुराहो और दमोह में सूरज ने जैसे आग उगली। यहां पारा 43 डिग्री के पार पहुंच गया। खजुराहो में 43.5 और दमोह में 43.2 डिग्री तापमान रहा। भोपाल में लगातार दूसरे दिन पारा 40.9 डिग्री दर्ज किया गया। बादल छाने से पारे में बढ़ोतरी नहीं हुई। वहीं, ग्वालियर में 41.6, इंदौर में 38.3 और जबलपुर में 40.8 डिग्री रहा। प्रदेश के 23 से ज्यादा शहरों में पारा 40 डिग्री से ज्यादा रहा।

● इन शहरों में भी तेज गर्मी

नर्मदापुरम, मंडला, रीवा, नौगांव, सीधी, उमरिया, खंडवा, गुना, रतलाम, नरसिंहपुर, सागर, बैतूल, पाल, उज्जैन समेत अन्य शहरों में भी गर्मी का असर रहा। यहां पारा 40 डिग्री से ज्यादा ही दर्ज किया गया।

कलेक्टर ने दो दिव्यांग परिवारों को दिया जीने का नया सहारा

जनसुनवाई में आए थे खाली हाथ, गए तो मकान मालिक बनकर

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। जनसुनवाई जरूरतमंद परिवारों के लिए वरदान साबित हो रही है। जनसुनवाई में आने वाले नागरिकों की समस्याओं का उचित निराकरण किया जा रहा है। कलेक्टर डॉ. इलैयाराजा टी प्रत्येक आवेदन को गंभीरता के साथ सुनकर उनका संवेदनशीलता के साथ निराकरण कर रहे हैं। हर जनसुनवाई में इसके उदाहरण दिखाई दे रहे हैं। सकारात्मक निराकरण के परिणाम आज संपन्न हुयी जनसुनवाई में भी दिखाई दिए। आज की जनसुनवाई में नेत्रहीन दो दिव्यांग दंपत्तियों को जीने का नया सहारा मिला। जनसुनवाई में वे आए तो खाली हाथ थे, गए तो मकान मालिक बनकर। कलेक्टर ने उन्हें हाथो हाथ आवंटन पत्र भी सौंपा और निर्देश दिए कि नए मकान में किराना, बर्तन, कुर्सी आदि जरूरत के सामान भी तुरंत रखे जाए। इसी तरह एक अन्य दिव्यांग महिला को भरण-पोषण के लिए तीन पहिया मोटोराइज्ड वाहन स्वीकृत किया गया।

प्रति मंगलवार की तरह इस मंगलवार भी कलेक्टर कार्यालय में जनसुनवाई संपन्न हुयी। जनसुनवाई में आज नेत्रहीन दिव्यांग दंपत्ति रोहित लोधी- पूजा आए। उन्होंने कलेक्टर डॉ. इलैयाराजा टी को अपनी समस्या बताई। उन्होंने कहा कि वे अगरबत्ती बेचकर अपना गुजर बसर कर रहे हैं। आमदनी भी बहुत कम है। किराया भी तीन हजार रूपए प्रति माह भरना पड़ रहा है। रहने की बहुत समस्या है। कलेक्टर ने उनकी समस्या को गंभीरता से सुनकर निर्देश दिए कि इन्हें तुरंत वन-बी-एच-के का फ्लेट आवंटित किया जाए। जनसुनवाई में मौजूद नगर निगम के अधिकारियों ने औपचारिकताएं पूर्ण कर तुरंत ही आवंटन पत्र तैयार कर दिया। इन्हें नीलगिरी कॉम्पलेक्स सनावदिया में फ्लेट दिया गया है। इसी तरह एक और नेत्रहीन दंपत्ति श्री रमेश सेन और उनकी नेत्रहीन पत्नी को भी सतपुड़ा परिसर बुढ़ानिया में फ्लेट आवंटित किया गया। इन्हें पूर्व में अन्य जगह पर फ्लेट आवंटित किया गया था, लेकिन उन्हें आने जाने में दिक्कत के कारण उक्त स्थान पर फ्लेट दिया गया। नए स्थान पर फ्लेट मिलने से उक्त दंपत्ति अब बेहद खुश है। रमेश सेन का कहना है कि मैं मालिश कर अपना परिवार का भरण-पोषण करता हूं। घर-घर जाकर मालिश का कार्य करता हूं। अब उचित जगह पर फ्लेट मिलने से मुझे आने जाने में आसानी होगी।

इसी तरह एक अन्य दिव्यांग महिला पूजा जैन भी जनसुनवाई में आयी। उसने बताया कि मैं एक पैर से दिव्यांग हूं। मुझे चलने-फिरने में दिक्कत का सामना करना पड़ता है। कोरोना काल में मेरे पति का निधन भी हो चुका है। छोटी-छोटी मेरी तीन बालिकाएं हैं, बुजुर्ग सास-ससुर भी मेरे साथ रहते हैं। परिवार के भरण-पोषण के लिए मैं घरों में जाकर खाना बनाने का कार्य करती हूं। घरो में जाने के लिए मुझे बहुत परेशानी होती है। कलेक्टर डॉ. इलैयाराजा टी ने गंभीरता से इस समस्या का निराकरण करते हुए तुरंत ही तीन पहिया मोटोराइज्ड वाहन स्वीकृत किया। औपचारिकताएं पूर्ण कर शीघ्र ही वाहन दे दिया जाएगा।

गर्मी के साथ ही बढ़ा मच्छरों का भी प्रकोप

बैक लाइनों में भरी गंदगी में पनप रहे लार्वा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। जैसे-जैसे गर्मी बढ़ती जा रही है, वैसे-वैसे मच्छरों का प्रकोप भी बढ़ता जा रहा है। शहर भले ही सफाई में नंबर-1 हो लेकिन आज भी कॉलोनी-मोहल्लों की बैक लाइनों में गंदगी ही पसरी पड़ी है। सुदामा नगर, इंदिरा नगर और ऐसी ही कई कॉलोनियां हैं, जिनकी बैक लाइनें में कचरा और ड्रेनेज का पानी भरा हुआ है। इससे मच्छरों की आबादी को बढ़ने में और अधिक मदद मिल रही है। उधर, नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि फॉगिंग मशीनों से धुआं उड़ाकर मच्छरों को मारा जा रहा है, लेकिन ऐसा कहीं दिखाई नहीं दे रहा है।

जानकारी अनुसार वर्तमान में अचानक शहर में मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है। इससे मच्छरजनित रोगों का प्रकोप फैलने का अंदेशा हो गया है। शहर के सरकारी और प्राइवेट अस्पतालों और क्लीनिकों में मरीजों की संख्या में भी अचानक वृद्धि हो गई है। कुछ समय पहले से वायरल का प्रकोप फैला है, अब मलेरिया और अन्य मच्छर जनित बीमारियों के मरीज भी बढ़ने लगे हैं। एमवाय अस्पताल, हुकुमचंद क्लीनिक एवं अन्य कुछ अस्पतालों से प्राप्त जानकारी के अनुसार कुछ समय पहले मलेरिया के मरीज नहीं थे, लेकिन अब प्रतिदिन 15-20 लोगों में मलेरिया के लक्षण पाए जा रहे हैं। और तो और लोगों को मलेरिया के उपचार से ही फायदा भी हो रहा है।

शहर में मच्छरों के बढ़ते प्रकोप को कम करने के लिए फॉगिंग मशीनों से धुआं उड़ाने की जरूरत है। निगम के स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार शहर में फॉगिंग मशीनों से धुआं उड़ाया भी जा रहा है। उधर, दूसरी और शहर में कहीं भी धुआं उड़ाने वाली फॉगिंग मशीनें दिखाई नहीं दे रही हैं।

संभाग के विभिन्न जिलों में पेसा एक्ट का प्रशिक्षण आरंभ

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट **इंदौर।** आयुक्त, इंदौर संभाग, डॉ. पवन शर्मा के निर्देशन में पेसा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायतों में पेसा मोबेलाईजर के प्रशिक्षण 17 अप्रैल से 27 अप्रैल तक इंदौर संभाग के 07 जिलो में आयोजित किया जा रहा है। नोडल अधिकारी श्री संजय सराफ ने बताया है कि उक्त प्रशिक्षण में पेसा क्षेत्र के ब्लाक स्तरीय समन्वय एवं जिला स्तरीय समन्वयकों के साथ ऐसा एक्ट के मास्टर्स ट्रेनर्स एवं पेसा एक्ट के अंतर्गत आने वाले विषयों से संबंधित जिला एवं खंड स्तरीय अधिकारियों द्वारा प्रशिक्षण दिया जा रहा है। गत दिवस इसी क्रम में जनपद पंचायत पेटलावद एवं झाबुआ जिला झाबुआ में प्रशिक्षण दिया गया। पेटलावद में 61 और झाबुआ में 46 प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण में भाग लिया। संभाग के शेष जिलों की जनपद पंचायतों में 18 अप्रैल से प्रशिक्षण पृथक-पृथक दिनों में आयोजित किये जायेंगे। बड़वानी के सी.ई.ओ. जिला पंचायत श्री जगदीश कुमार गोमे ने बताया है कि बड़वानी जिला में सेंधवा में प्रशिक्षण 18 अप्रैल को, बड़वानी एवं पाटी में 20 अप्रैल को, निवाली एवं पानसेमल में 21 अप्रैल को, ठीकरी एवं राजपुर में 25 अप्रैल को आयोजित किए जाएंगे। एस.डी.एम. बुरहानपुर श्री राजेश पाटीदार ने बताया है कि उक्त प्रशिक्षण बुरहानपुर में 22 अप्रैल को आयोजित किया जाएगा।

किसानों को नहीं होना पड़ेगा परेशान

राजस्व रिकॉर्ड में अभिलेख दर्ज कराने की कलेक्टर की कवायद

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। कलेक्टर डॉ. इलैयाराजा टी ने राजस्व विभाग के कार्यों में सुगमता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश सभी एस.डी.एम और तहसीलदारों, नायब तहसीलदारों, राजस्व निरीक्षकों और पटवारियों को दिए हैं। कलेक्टर ने कहा है कि प्रायः देखा गया है कि राजस्व न्यायालयों में पारित निर्णयों को संबंधित राजस्व अभिलेखों में निर्धारित समय में दर्ज नहीं किया जाता है। किसान एवं अन्य नागरिक इन कार्यों के लिए कई बार राजस्व अधिकारियों के कार्यालय में चक्कर लगाते रहते हैं। ऐसी परिस्थितियों में राजस्व अधिकारियों का यह दायित्व बनता है की न्यायालयों में पारित निर्णयों का अमल दरामद अर्थात राजस्व अभिलेखों में उन्हें दर्ज किए जाने का कार्य प्राथमिकता से किया जाए। इंदौर जिले में कलेक्टर ने इसके लिए मुहिम प्रारंभ की है। उन्होंने सभी राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि प्रत्येक शुक्रवार को शिविर लगाकर यह कार्य किया जाए और सम्बंधित खसरा नकल और अन्य दस्तावेजों के प्रतिलिपि किसानों और हितग्राहियों को प्रदान की जाए।

उल्लेखनीय है कि 15 अप्रैल 2023 को इंदौर जिले में प्रत्येक तहसील स्तर पर राजस्व न्यायालयों के आदेश अमल के संबंध में शिविर का आयोजन किया गया था। कलेक्टर डॉ. इलैया राजा टी ने बताया है कि इन शिविरों में सभी राजस्व न्यायालयों में प्रचलित प्रकरण जैसे रिकॉर्ड संशोधन ,नामांतरण, बँटवारा के संबंध में जो भी आदेश पारित किए गए हैं, उनका अमल खसरे में किया जाकर संबंधित हितग्राहियों को खसरे की प्रति उपलब्ध कराई जायेगी। कलेक्टर ने कहा कि ये महत्वपूर्ण कार्य है क्यूँकि कई बार किसानों को आदेश हों जाने के बाद भी वांछित खसरे की प्रति नहीं मिल पाती है और वे परेशान होते हैं। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के सुशासन के निर्देश के पालन हेतु इंदौर जिला पूरी सक्रियता से काम कर रहा है। उक्त कार्य प्रति सप्ताह शुक्रवार को किया जाएगा, जिसमें ऐसे व्यक्ति जो अमल के बाद खसरो का इंतजार कर रहे हैं, उन्हें खसरा उपलब्ध करवा कर सुशासन की व्यवस्था स्थापित की जाएगी।

27 मार्च के बाद जारी इंदौर की पूर्व निगमायुक्त के सारे आदेशों पर रोक

महापौर का फैसला-जो आदेश महपौर परिषद की जानकारी के बगैर पूर्व निगमायुक्त ने किए, उस पर रोक लगी रहेगी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। दो बार इंदौर को स्वच्छता का अवार्ड दिलाने वाली पूर्व निगमायुक्त प्रतिभा पाल ने इंदौर से जाते-जाते जो आदेश जारी। उस पर सवाल उठने लगे है। मंगलवार को महापौर परिषद की बैठक में निलंबित अफसरों को बहाल करने और कुछ अफसरों को वीआरएस देने का मुद्दा उठा तो मेयर पुष्यमित्र भार्गव ने फैसला लिया कि जो आदेश महपौर परिषद की जानकारी के बगैर पूर्व निगमायुक्त ने किए, उस पर रोक लगी रहेगी। २७ मार्च को महापौर परिषद सदस्यों की बैठक के बाद ही प्रतिभा पाल के तबादला आदेश जारी हुए थे। सरकार ने उन्हें रीवा कलेक्टर बनाकर भेजा है। रिलीव होने से पहले उन्होंने कुछ निलंबित अफसरों को बहाल करने के आदेश जारी कर दिए थे। महापौर परिषद बैठक में जनकार्य समिति प्रभारी राजेंद्र राठौर ने एमआईसी को जानकारी में लाए बगैर जारी हुए आदेशों का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि एमआईसी की जानकारी के बगैर किसी निलंबित अफसर की बहाली नहीं की जा सकती है। कम से कम जांच पूरी होने का इंतजार तो करना चाहिए था। उन्होंने कहा कि पूर्व निगमायुक्त ने टेंडर के बगैर गेट निर्माण करने के मामले में उपयंत्री अवधेश जैन को निलंबित किया था।

बहाली के बाद फिर संभाल लिया झेडओ का पद- तबादला होने से पहले जैन को प्रतिभा पाल बहाल कर गई,लेकिन जैन ने फिर जोनल अधिकारी का पदभार खुद ही ले लिया,जबकि बहाली के बाद नए सिरे से पदस्थापना की जाती है। उन्होंने कहा कि जिन अफसरों को नगर निगम का अनुभव है। उन्हें पूर्व निगमायुक्त ने वीआरएस दे दिया। एक अन्य अफसर की पदोन्नति का मुद्दा भी बैठक में उठाया गया। बैठक में महापौर परिषद सदस्य अभिषेक शर्मा बबलू, निरंजन सिंह चौहान, राजेश उदावत, नंदू पहाड़िया, जीतू यादव सहित अफसर मौजूद थे।

नियमानुसार मंदिर बनेगा- पटेल नगर में मंदिर निर्माण को लेकर किसी भी मंदिर का निर्माण और संचालन की अनुमति कलेक्टर द्वारा विशेष अधिनियम के तहत की जाती है। यदि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने घोषणा की है तो नियमानुसार वहां मंदिर बनाया जाएगा। उसमें निगम की जो भूमिका तय होगी, उसे हम निभाएंगे।

एमआईसी मेंबरों को लैपटॉप- इस बार महापौर परिषद की बैठक में जो पार्षद समितियों के प्रभारी बने है, उन्हें मंगलवार को लैपटॉप दिए गए। मेयर ने कहा कि महापौर परिषद सदस्य लैपटॉप चलाने के अभ्यस्त है, इसलिए हमने लैपटॉप दिए है।

3 स्थानों पर बनेंगे एसटीपी प्लांट- इंदौर। शहर में नमामि गंगे प्रोजेक्ट के तहत 3 स्थानों पर एसटीपी प्लांट बनाए जाएंगे। ऐसे ही कान्ह नदी के शुद्धिकरण के लिए 26 करोड़ की लागत से प्राइमेरी सीवर लाइन का काम होगा। खास बात यह कि शहर में बढ़ते आवारा श्वानों की संख्या पर नियंत्रण के लिए एक एजेंसी की नियुक्ति की जाएगी।

भगवान परशुराम के प्राकट्य उत्सव पर जानापाव से आएगी रेणुका ज्योति यात्रा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। परशुराम महासभा मध्यप्रदेश के तत्वावधान में इस वर्ष भी भगवान हरि विष्णु के छठवें अवतार, चिरंजीवी भगवान परशुराम का प्राकट्य उत्सव जानापाव तीर्थ एवं राजेन्द्र नगर में धूमधाम से मनाया जाएगा। अक्षय तृतीया, 22 अप्रैल को सुबह 4 बजे ब्रह्म मुहुर्त में भगवान परशुराम की बाल्यावस्था वाली मूर्ति का पूजन, अभिषेक एवं ऋषि जमदग्नि द्वारा स्थापित जनकेश्वर महादेव का रूद्राभिषेक किया जाएगा।

परशुराम महासभा के प्रदेशाध्यक्ष पं. गोविंद शर्मा, एवं यात्रा संयोजक पं. संजय मिश्रा ने पत्रकारों को बताया कि जानापाव तीर्थ पर 22 अप्रैल को सुबह 4 बजे ब्रह्म मुहुर्त में सैकड़ों समाजबंधु पहुचेंगे और वहां पूजा-अभिषेक के बाद मां रेणुका ज्योति यात्रा लेकर राजेन्द्र नगर तक आएंगे। राजेन्द्र नगर से सुबह 8 बजे विशाल शोभायात्रा निकाली जाएगी, जिसमें घोड़े, बग्घी के साथ चलित झांकी, भगवान परशुराम की दिव्य झांकी, विशेष रथ, भजन मंडली, गुरूकुल परंपरा के बटुक भी शामिल होंगे। परंपरा के अनुरूप बटुकगण स्वस्ति वाचन करते हुए चलेंगे। युवा वाहिनी एवं मातृ शक्तियां हाथ में फर्सा लेकर यात्रा की शोभा बढ़ाएंगे। मनावर झ धार से आए आदिवासियों की टोलियां रंगारंग नृत्य करते हुए इस शोभायात्रा में शामिल होंगे। राजेन्द्र नगर स्थित परशुराम चौक पर, जहां विशाल फरसा स्थापित किया गया है, वहां इस शोभायात्रा का समापन होगा। शहर के सभी प्रमुख धर्म स्थलों के आचार्य, संत एवं महामंडलेश्वर भी इस शोभायात्रा में सानिध्य प्रदान करेंगे।

सावधान! आप भी तो नहीं बन रहे

फर्जी मैट्रिमोनियल वेबसाइट्स का शिकार

मध्य प्रदेश साइबर पुलिस ने कुंवारे युवकों को शादी का झांसा देकर लाखों

ऐसे चलता है ठगी का धंधा

DETECTIVE GROUP
Detecting the truth

SAAT JANMO KA BANDHAN
YA JHUT FAREB KI ULJHAN

PATA KARE SACH,
DETECTIVE KE SANG

आज ही अपनी जानकारी सबमिट करे www.detectivegroup.in पर
Whatsapp us on +91-91110 50101

अतीक हत्याकांड के आरोपी के एमपी कनेक्शन पर दिग्विजय बोले-

गृहमंत्री बताएं उनका संरक्षण था क्या?

कहा- माफिया के नेताओं, बिल्डर्स से संबंध की जांच हो

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल। अतीक अहमद और अशरफ अहमद हत्याकांड के आरोपी लवलेश तिवारी के मध्यप्रदेश कनेक्शन पर पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा, क्या गृहमंत्री बताएंगे कि उनका संरक्षण उसको (लवलेश तिवारी) था क्या?

दरअसल, लवलेश तिवारी की फेसबुक प्रोफाइल से पता चला है कि 2021 में वह बालाघाट में रहा है। यहां रहते हुए उसने अपनी फोटो फेसबुक पर पोस्ट की हैं। बालाघाट में उसके रेत माफिया के साथ काम करने की बात भी सामने आ रही है।

दिग्विजय ने लवलेश की इन्हीं पोस्ट को मुद्दा बनाते हुए विकास दुबे का मामला उठाया। उन्होंने कहा- विकास दुबे जब महाकाल मंदिर पहुंचा था और सरेंडर हुआ था, तभी मैंने कहा था कि इसकी सुरक्षा होनी चाहिए। अब महाकाल विकास दुबे ने क्यों चुना? अब आप कहेंगे विकास को 'जी' क्यों कहा? ये व्यंग्य है। विकास दुबे एक आपराधिक प्रवृत्ति का व्यक्ति था, लेकिन उसने महाकाल मंदिर और मध्यप्रदेश को क्यों चुना? इसमें गृहमंत्री जी का कहीं कोई संबंध तो नहीं था।

कांग्रेस के सीनियर लीडर दिग्विजय सिंह ने अतीक और उसके भाई अशरफ की हत्या के मामले में कमर्शियल, पॉलिटिकल रिलेशन की जांच कराने की मांग भी की है। मीडिया से चर्चा में दिग्विजय सिंह ने कहा- इस बात की जांच करनी चाहिए कि अतीक अहमद के किन नेताओं, अफसरों और बिल्डर्स से संबंध थे।

कई बिल्डर, नेता, अधिकारियों के नाम अतीक ने लिए-

मैं इलाहाबाद गया था, तो लोगों ने बताया था कि अतीक ने हिंदुओं से ज्यादा मुसलमानों पर अपराध किए हैं। उसके बेटे का एनकाउंटर पुलिस का था। लेकिन, पुलिस कस्टडी में अतीक की हत्या हुई, इसकी जवाबदारी वह पुलिस पर आती है। अतीक और उसके परिवार के लोगों ने भी कहा था कि उसे एनकाउंटर में मार दिया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट तक वे गए थे। कई बिल्डर, नेता, अधिकारियों के नाम अतीक अहमद ने लिए हैं। इनका खुलासा होना चाहिए।

हेड तो चला गया, लेकिन माफिया अभी जिंदा है-

मैंने यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मांग की है कि जांच आयोग के टर्म ऑफ रेफरेंस में ये भी डालिए कि अतीक अहमद से किन-किन लोगों से संबंध थे। माफिया का हेड तो चला गया, लेकिन माफिया तो जिंदा है। उन माफियाओं को खत्म करना चाहिए।

कोरोना पॉजिटिव बुजुर्ग की मौत

● बेटे के बाद ज्योतिरादित्य सिंधिया भी संक्रमित

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल। जबलपुर में कोरोना संक्रमित 73 साल के बुजुर्ग की मौत हुई है। हालांकि मौत की वजह कार्डियक अरेस्ट है। बुजुर्ग कई दिनों से बीमार थे। मंगलवार को प्रदेश में कोरोना के 57 नए मरीज मिले हैं। सबसे ज्यादा 17 संक्रमित इंदौर में मिले। दूसरे नंबर पर भोपाल है। यहां 13 नए केस सामने आए हैं। नए मरीज मिलने के साथ प्रदेश में अब कोरोना के एक्टिव मरीजों की संख्या बढ़कर 322 हो गई है।

उधर बेटे महाआर्यमन सिंधिया के बाद उनके पिता केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया भी संक्रमित पाए गए हैं। सिंधिया 15 और 16 अप्रैल को ग्वालियर प्रवास पर थे और भिंड भी पहुंचे थे। इस दौरान वे मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा, केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर समेत प्रदेश सरकार के कई मंत्रियों और अधिकारियों से संपर्क में आए थे।

मंगलवार को इंदौर-भोपाल के बाद ग्वालियर में 10, राजगढ़ व जबलपुर में 6-6, और सीहोर में 5 नए संक्रमित मिले हैं। मंगलवार को प्रदेश में कुल 707 मरीजों के कोरोना सैंपल की जांच की गई थी। इनमें 57 मरीजों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है।

भोपाल में 113 एक्टिव केस

पिछले तीन दिन से भोपाल में एक्टिव केस की संख्या रोजाना 100 से ज्यादा बनी हुई है। मंगलवार को भोपाल में कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़कर 113 हो गई है। इससे पहले भोपाल में सोमवार को 109, रविवार को 105 एक्टिव केस थे। इंदौर में 66, राजगढ़ में 29, ग्वालियर में 28, जबलपुर में 41, रायसेन में 8, नर्मदापुरम में 6 और खंडवा में 3 एक्टिव केस हैं।

176 की रिपोर्ट पेंडिंग

स्वास्थ्य संचालनालय की रिपोर्ट के अनुसार, मंगलवार को 176 कोरोना संदिग्धों की जांच रिपोर्ट देर रात तक जारी होगी। इनके सैंपल को जांचने की प्रक्रिया स्टेट वायरोलॉजी लैब में जारी है। मंगलवार को 707 सैंपल्स की जांच की गई।

जबलपुर में बुजुर्ग की मौत, 6 नए केस

जबलपुर में 73 साल के बुजुर्ग की प्राइवेट अस्पताल में मंगलवार को मौत हो गई। बीमार होने पर उन्हें भर्ती कराया गया था। टेस्ट में रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। हालांकि मौत की वजह कार्डियक अरेस्ट बताई जा रही है। जिले में 24 घंटे में 6 नए केस मिले हैं। जांच के लिए 87 सैंपल लैब भेजे गए थे। एक्टिव केस बढ़कर 41 हो गए हैं। 2 मरीज ठीक भी हुए हैं। सभी मरीज होम आइसोलेशन में हैं।

आत्महत्या के पूर्व मृतक ने बनाया वीडियो

उज्जैन। मंगलवार को एक बुजुर्ग ने फांसी के फंदे पर झूल कर आत्महत्या कर ली। मौत से पहले उसने तीन लोगों से परेशानी की बात बताते हुए वीडियो बनाया और उसे अपने स्टेटस पर डाल दिया। पुलिस को घटना में एक पेज का सुसाइड नोट भी मिला है। पंवासा थाना पुलिस ने बताया कि क्षेत्र में रहने वाले 65 वर्षीय तूफानसिंह दोने पत्तल बनाने का काम करते थे। मंगलवार सुबह 5 बजे उन्होंने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इससे पहले उन्होंने अपने मोबाइल पर पहले एक वीडियो बनाया और अपनी मौत का जिम्मेदार तीन लोगों को बताया। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और लाश को पीएम के लिए अस्पताल पहुंचाया। पुलिस को बुजुर्ग के घर से एक सुसाइड नोट भी मिला है। पंवासा पुलिस ने बुजुर्ग का मोबाइल भी जप्त कर लिया है। मृतक ने अपने मोबाइल स्टेटस में लगाए वीडियो में मरने के पहले 3 लोगों जिसमें सीमाबाई सिसोदिया सुताखेड़ी,सरदारसिंह और जसवंत का नाम लिया था।

जन्म के 42 दिन बाद शावकों ने देखी दुनिया

टूरिस्ट्स को देख सहमे, फिर मस्ती करने लगे

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

ग्वालियर। ग्वालियर के गांधी प्राणी उद्यान (चिड़ियाघर) में पिछले महीने जन्मे टाइगर के शावकों को सोमवार को पहली बार एनक्लोजर से बाहर निकाला गया। टाइग्रेस दुर्गा के दोनों शावक 42 दिन बाद दौड़ते हुए मां के साथ बाहर निकले, लेकिन सैलानियों को देख सहम गए। अपने कदम पीछे खींच लिए। मां को छोड़कर वापस एनक्लोजर के गेट पर जा पहुंचे। यहां कुछ देर सैलानियों को देखा।

जब दोनों को लगा कि हम सेफ हैं, तो फिर मैदान में मां के साथ जा पहुंचे। इसके बाद दोनों ने मां दुर्गा के साथ मिलकर खूब मस्ती की। जब मां बाड़े में बने तालाब में जाकर बैठ गई, तब भी दोनों ने खूब दौड़-भाग की। ग्वालियर जू में 6 मार्च की रात यलो टाइग्रेस दुर्गा ने दो शावकों का जन्म दिया था। इनमें एक नर और एक मादा है। शावकों को डॉक्टरों की टीम ने हाउसिंग में निगरानी में रखा था। सैलानियों के लिए शावकों को देखने का समय शाम 5 बजे से 6.30 बजे तक का तय किया गया है। इन्हें रोजाना सुबह और शाम 1 घंटे के लिए ओपन एरिया में लाया जाएगा, इस बीच चिड़ियाघर घूमने आए सैलानी उन्हें देख सकेंगे। एनक्लोजर से बाहर आते ही दोनों शावकों की नजर टूरिस्ट्स पर पड़ी। पहले तो वे सहम गए और कदम पीछे खींच लिए, लेकिन लगा कि डरने की कोई बात नहीं तो खूब मस्ती की।

एक-दो दिन में टाइग्रेस मीरा भी देगी शावकों को जन्म

जू इंचार्ज डॉ. उपेंद्र सिंह यादव ने बताया कि शावकों के जन्म के बाद से पहली बार उन्हें एनक्लोजर से निकाला गया। तीनों स्वस्थ हैं। शावक अभी तो मां के दूध पर ही निर्भर हैं, लेकिन धीरे-धीरे उनको मटन भी दिया जा रहा है। वे मां के साथ धीरे-धीरे मटन खाना सीख रहे हैं। ग्वालियर जू क्यूरेटर गौरव परिहार ने बताया कि चिड़ियाघर से एक और खुशखबरी लोगों को जल्द मिलने वाली है। सफेद टाइग्रेस मीरा भी एक-दो दिन में शावकों को जन्म दे सकती है। जू में 4 नर और 3 मादा टाइगर हैं।

मोहन भागवत बोले, सनातन धर्म ही हिंदू राष्ट्र

● भारत होने वाली महाशक्ति, लेकिन हम किसी को जीतेंगे नहीं, बदलेंगे नहीं

जबलपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा है कि सनातन धर्म ही हिंदू राष्ट्र, हिंदू संस्कृति है। भारत विश्व गुरु बनने जा रहा है और हमें बनना ही है। आज हम ही क्या, सारी दुनिया कह रही, भारत होने वाली महाशक्ति है। शक्ति के बिना भगवान शिव भी शव हैं। लेकिन, हमारी शक्ति दुर्बलों की रक्षा करेगी। सनातन धर्म के अनुसार अपने जीवन के तरीके को खड़ा करो, हम किसी को जीतेंगे नहीं, बदलेंगे नहीं। संतों के उपदेशों को ग्रहण करते हुए हम सब धर्म के मार्ग पर चलें, तब यह संभव है। श्यामदेवाचार्य जैसी हस्तियां जाने के बाद भी पार्थिव रूप में हमारे साथ रहती है। संघ प्रमुख ने ब्रह्मलीन जगतगुरु श्यामादेवाचार्य की द्वितीय पुण्यतिथि के कार्यक्रम में पहुंचे। नरसिंह मंदिर में उन्होंने श्यामादेवाचार्य की प्रतिमा का अनावरण किया। यहां 12 अप्रैल से कार्यक्रम चल रहे हैं। आज समापन है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी आना था, लेकिन वे नहीं आ सके। भागवत आज शाम को 4.45 बजे मानस भवन में रामानंदाचार्य के प्राकट्य के 723 वर्ष पूर्ण होने में आयोजित कार्यक्रम में व्याख्यान देंगे।

कार को 100 मी. घसीटते हुए ले गया ट्रक

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

ग्वालियर। ग्वालियर में आगरा-मुंबई हाईवे पर एक हाई स्पीड ट्रक टोल पर खड़ी कार को 100 मीटर तक घसीटते हुए ले गया। ड्राइवर टोल बैरियर को तोड़ते हुए ट्रक लेकर भाग निकला फिर गाड़ी छोड़कर फरार हो गया। घटना में कार सवार एक युवक की मौत हो गई, वहीं दूसरा घायल है। हादसा पनिहार टोल पर हुआ। इसका फुटेज सामने आया है।

हादसे में शिवपुरी की विवेकानंद कॉलोनी निवासी प्रवेश अग्रवाल (41) की मौत हो गई, वहीं उसके साथी अवनीश (25) की हालत गंभीर है। ये दोनों सोमवार को काम से ग्वालियर गए थे और शिवपुरी लौट रहे थे। इसी दौरान वे आगरा-मुंबई राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित पनिहार टोल पर पहुंचे और यहां टोल बैरियर की लाइन में गाड़ी रोक दी। फास्टैग से उनका टोल कटा ही था और वे आगे निकलने वाले ही थे, इतने में पीछे से तेज रफ्तार में आ रहे एक ट्रक ने उनकी कार को जोरदार टक्कर मार दी।

मैहर माता मंदिर में मुस्लिम कर्मचारियों को हटाने के आदेश

मंत्री उषा ठाकुर से शिकायत के बाद एक्शन

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

सतना। धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग ने सतना जिले में प्रसिद्ध मैहर माता मंदिर समिति से मुस्लिम कर्मचारियों को हटाने के आदेश जारी किए हैं। नगर में मांस और मदिरा की बिक्री भी बंद करने को लेकर सतना कलेक्टर को पत्र भेजा है।

इस मामले में सतना कलेक्टर अनुराग वर्मा का कहना है कि मंत्री उषा ठाकुर का पत्र प्राप्त हुआ है। उसके संबंध में परीक्षण कराया जाएगा और नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। विश्व-हिंदू परिषद ने संस्कृति मंत्री के सामने अपनी मांगें रखी थीं, जिस पर विभाग ने एक्शन लेते हुए आदेश दिया है।

पत्र में 17 जनवरी को भेजे आदेश का जिक्र किया गया है कि मैहर नगरी में मांस-मदिरा की बिक्री बंद कराने और शारदा मंदिर समिति से मुस्लिम कर्मचारियों को हटाने का आदेश दिया गया था। उप सचिव पुष्पा कुलेश ने 3 दिन में प्रतिवेदन भेजने को कहा है।

पत्र में 17 जनवरी को भेजे आदेश का जिक्र किया गया है कि मैहर नगरी में मांस-मदिरा की बिक्री बंद कराने और शारदा मंदिर समिति से मुस्लिम कर्मचारियों को हटाने का आदेश दिया गया था। उप सचिव पुष्पा कुलेश ने 3 दिन में प्रतिवेदन भेजने को कहा है।

मंदिर समिति में धर्म के आधार पर नियुक्ति का नियम नहीं

सतना कलेक्टर को भेजे पत्र में लिखा गया है कि 17 जनवरी को इस संबंध में तत्काल परीक्षण कर रिपोर्ट मांगी गई थी, लेकिन वह अभी तक अपेक्षित ही है। अब उपसचिव से 3 दिन में प्रतिवेदन भेजने को कहा गया हैं। हालांकि, चुनावी साल में आए धर्मस्व विभाग के इस आदेश से विवाद खड़ा हो सकता है क्योंकि मां शारदा देवी मंदिर प्रबंध समिति के नियमों में कहीं भी कर्मचारियों की नियुक्ति में धर्म को आधार बनाए जाने का प्रावधान नहीं है।

आदेश का स्वागत- विहिप और बजरंग दल ने तो इस आदेश का स्वागत करते हुए माता शारदा की महाआरती का भी ऐलान कर दिया है। बजरंग दल के जिला संयोजक महेश तिवारी ने कहा कि हम वर्षों से यह मांग करते आ रहे हैं, जिस पर अमल होने की बारी अब आई है।

संपादकीय

मिलने लगी राहत

इन दिनों देखने में आ रहा है कि महंगाई में गिरावट होती जा रही है। हालांकि महंगाई में गिरावट का यह रुख राहत देने वाला है। थोक महंगाई उतरकर डेढ़ फीसद से भी कम पर पहुंच गई, तो इससे जाहिर है कि औद्योगिक उत्पादन में तेजी आ रही है। अभी तक उद्योगों में सुस्ती का आलम था और बाजार में अपेक्षित खपत न हो पाने की वजह से उनमें उत्साह पैदा नहीं हो पा रहा था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में संकुचन देखा जा रहा है। पिछले छह महीनों से थोक महंगाई एक अंक में बनी हुई है, नहीं तो पिछले साल मार्च में यह 14.63 प्रतिशत पर थी। बताया जा रहा है कि थोक महंगाई में यह गिरावट विनिर्मित वस्तुओं की कीमतों में कमी की वजह से आई है। खासकर कपड़ा उत्पादन और धातुओं की कीमतों में गिरावट दर्ज हुई है। कीमतों में आई इस कमी की एक वजह ईंधन के दाम में कमी भी बताई जा रही है। पिछले कई महीनों से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें ऊपर का रुख किए हुई थीं और युद्ध की वजह से आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान आने के चलते इन पर काबू पाना कठिन बना हुआ था। पिछले दिनों पेट्रोल-डीजल और गैस की कीमतों में कमी की गई। स्वाभाविक ही इसका असर वस्तुओं की कीमतों पर भी पड़ा। हालांकि खाद्य वस्तुओं की कीमतों में अपेक्षित कमी न आ पाने की वजह से चिंता अभी समाप्त नहीं हुई है। दरअसल, रिजर्व बैंक खुदरा महंगाई पर ही नजर रखता और उसी के अनुरूप अपनी ब्याज दरों में बदलाव का फैसला करता है। पिछली मौद्रिक नीति में उसने रेपो दरों में कोई बदलाव इसीलिए नहीं किया कि उसे यकीन था कि महंगाई का रुख नीचे की तरफ होगा। उसका अनुमान सही साबित हुआ है। मगर अब भी दूध, फल और सब्जियों के दाम आम लोगों की जेब पर बोझ डाल रहे हैं, तो इस दिशा में सोचने की जरूरत है। गेहूं, मोटे अनाज और धान जैसे अनाज की कीमतें कुछ टूटी हैं, मगर जिस तरह मौसम का मिजाज बदल रहा है और गेहूं की कटाई के समय ही देश भर में तेज हवाओं, बारिश और ओलावृष्टि ने फसलों को चौपट किया, उससे आने वाले दिनों में कीमतों का रुख यही बना रहेगा, कहना मुश्किल है। फिर महंगाई के आंकड़े थोक मूल्य सूचकांक के मुताबिक आंके जाते हैं, जबकि दुकानों पर इसका असर वैसा नहीं देखा जाता। इसलिए भी वास्तविक उपभोक्ता पर इस घटी हुई दर का कितना असर हुआ है, कहना मुश्किल है।

ज्ञान-विज्ञान

1000 साल पहले भी खेली जाती थी फुटबॉल

पुरातत्विदों को मिला पत्थर का स्कोरबोर्ड...वजन 40 किलो

मेक्सिको की एक साइट पर माया सभ्यता का एक पत्थर मिला है. कहा जा रहा है कि यह एक 'स्कोरबोर्ड' है, जिसका इस्तेमाल उस वक्त फुटबॉल की तरह खेले जाने वाले किसी खेल में किया जाता होगा. 40 किलो के इस पत्थर की जांच की जा रही है, ताकि इतिहास से जुड़ी कोई खास जानकारीसामने आ सके.

हाल ही में मेक्सिको की एक साइट से पुरातत्विदों को एक प्राचीन पत्थर मिला. यह पत्थर गोलाकार है. इस पत्थर के बारे में कहा जा रहा है कि यह एक 'स्कोरबोर्ड' है, जो शायद उस वक्त फुटबॉल की तरह खेले जाने वाले किसी खेल में इस्तेमाल किया जाता होगा.

मेक्सिको के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एंथ्रोपोलॉजी ने ट्विटर पर इसकी जानकारी देते हुए कहा कि यह पत्थर माया चिचेन इट्ज़ा साइट (Maya Chichen Itza) पर पाया गया था. शोधकर्ताओं और पुरातत्वविदों का कहना है कि गोलाकार पत्थर का व्यास 12 इंच से ज़्यादा है और इसका वजन 40 किलोग्राम है.

इस पत्थर को एक तरह का स्कोरबोर्ड माना जा रहा है और यह 800 CE और 900 CE के बीच का है. जांच करने वाले एक पुरातत्वविद फ्रांसिस्को पेरेज़ (Francisco Perez) का कहना है कि इस माया साइट में चित्रलिपि लेखन (Hieroglyphic writing) मिलना दुर्लभ है. आपको बता दें कि माया कैलेंडर के हिसाब से साल 2012 में दुनिया खत्म होने की बात कही गई थी.

पत्थर के केंद्र में दो आकृतियां दिखाई देती हैं. बाहरी किनारे के चारों ओर चित्रलिपि बनी हुई है. आकृतियों में से एक ने एक पंख वाला हेडड्रेस पहना हुआ है और दूसरे ने सांप कीपगड़ी (Snake Turban) पहन रखी है, जो माया समाज में ऊंचे पद के लोगों के लिए आरक्षित होती थी.

विशेषज्ञ अब पत्थर का विश्लेषण करने और इससे जुड़ी ज़्यादा जानकारी पाने की कोशिश कर रहे हैं. वे इस पत्थर के संरक्षण के लिए कदम उठा रहे हैं. रिपोर्ट्स के मुताबिक, आइकोनोग्राफी एक्सपर्ट्स ने पत्थर पर दोनों आकृतियों की पहचान की है. उनके मुताबिक इन आकृतियों को बॉल गेम 'पेलोटा' (Pelota) खेलते हुए दिखाया जा रहा है. इस खेल में रबर की भारी गेंद का इस्तेमाल किया जाता है और इसे टीम बनाकर खेला जाता है.

माना जाता है कि मेसोअमेरिकन लोग बॉल गेम को पारंपरा के तौर पर खेला करते थे, जिसका कोई धार्मिक महत्व था. मेक्सिको के युकाटन प्रायद्वीप में चिचेन इट्ज़ा माया सभ्यता का एक ऐतिहासिक केंद्र है और यह यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल (UNESCO World Heritage Site) है.

Highlights

1. India now world's most populous country: UN report
2. Engines catch fire as 2 goods trains collide in MP, drivers hurt
3. Protinex revamps brand identity after 65 yrs, introduces new commercials
4. Busy getting appalled: Siddaramaiah to EAM on Sudan clashes
5. K'taka poll candidate pays deposit with ₹1 coins, files nomination
6. Nepal President Paudel to be flown to AIIMS Delhi for treatment
7. Which were the hottest cities on Tuesday as per IMD?
8. Police bring shooters who killed Atiq, Ashraf to Prayagraj court

'...has no economics': Ashneer Grover as delivery executives protest against Blinkit

NEW DELHI, (Agency). Sharing his thoughts on the ongoing issues at Blinkit, whose delivery executives are protesting the lowering of their payouts, BharatPe's former co-founder Ashneer Grover opined that the very concept of 10-minute delivery 'has no economics.'

"Blinkit /Zepto – problem is not ₹15 for delivery against ₹50. Problem is 10Min delivery has no economics – low ticket size and low margin can never be solved through forced low delivery cost," tweeted the ex-Shark Tank India judge.

Why are Blinkit delivery workers protesting?

Recently, the Zomato-owned instant delivery service revised its payment structure, reducing the compensation for is delivery partners to ₹15 per delivery, from ₹25. Irate by the move, the delivery workers took to streets in Delhi-NCR, and have been on strike for the past two days.

Zomato's Gurugram-based grocery unit responded by permanently shutting down some of its dark stores in the city.

"Dear partner, We thank you for providing your services to customers from your store. You all have not been working at the store for the past 3-4 days, and work has not started despite a lot of talks. That's why the company is having to shut down this store forever. Since this store is being shuttered permanently, we are disabling all of your IDs. For any issue, you can raise a ticket on support," it said in a message, according to Moneycontrol.

As many as 31 dark stores cater to Blinkit in Gurugram, and only a handful of these are currently operational, the Moneycontrol report said.

'UK's first lady' Akshata Murty loses 500 crore in one day from Infosys woes

NEW DELHI, (Agency). Rishi Sunak's wife Akshata Murty lost about £49 million (around ₹500 crore) Monday after shares in Infosys Ltd tumbled the most since he became UK prime minister. (ALSO READ: Infosys share drops by almost 11%, most since Covid crash)

Murty owns a 0.94% stake in the Indian software giant co-founded by her father Narayana Murthy. The company nosedived Monday after its guidance painted a negative outlook for India's technology sector, leading to a wave of downgrades by brokers. It closed down 9.4%, the biggest drop since March 2020.

While the paper loss is a fraction of the Sunak family's wealth — Murty's stake is still worth more than £450 million — it also serves to highlight the gulf between the prime minister and ordinary Britons struggling in a cost of living crisis.

Sunak's office declined to comment.

Murty's wealth and outside interests have been a recurring theme in her husband's political career. Last year, it emerged she holds non-domicile status and hadn't been paying UK tax on overseas earnings. She said her arrangements were "entirely legal," but also opted to start paying British taxes on those earnings

In a separate development Monday, UK Parliamentary Commissioner for Standards Daniel Greenberg opened an inquiry into whether Sunak failed to declare a relevant interest relating to a minority stake owned by his wife in a childcare company. His office said the interest had been "transparently declared" and that the premier would cooperate with Greenberg.

Rajasthan

घोड़ी पर चढ़ीं दुल्हनें तो खाप पंचों ने जारी किया तुगलकी फरमान, फैमिली का बहिष्कार कर लगाया जुर्माना

बाड़मेर, (एजेंसी) राजस्थान के बाड़मेर में खाप पंचायत के एक फरमान ने तहलका मचा दिया है. दरअसल, दो दुल्हनों को घोड़ी पर बैठाकर परिवार के लोगों ने हंसी खुशी से बंदोली निकाली थी. खाप पंचायत के पंच इस बात से नाराज हो गए. पंचों ने परिवार को समाज से बेदखल कर हुक्का पानी बंद कर दिया. इसके बाद जिलेभर में इस पूरे घटनाक्रम को लेकर बवाल मच गया. पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

जानकारी के अनुसार, यह घटना बाड़मेर के सिवाना कस्बा क्षेत्र के मेली गांव की है. दरअसल, सिवाना कस्बे के मेली गांव में शंकराराम पुत्र थानाराम ने अपनी दो बहनों की 6 फरवरी को शादी की थी. इस दौरान दोनों बहनों को घोड़ी पर बैठाकर बंदोली निकाली गई.

बेटियों की बंदोली निकाले जाने की बात खाप पंचों को नागवार गुजरी. इस मामले के ढाई महीने बाद पंचों ने सिवाना में पंचायत बुलाई, जहां दुल्हनों के भाई को बुलाकर पूरे परिवार को समाज से बहिष्कृत करने का फरमान सुना दिया. इसी के साथ 50 हजार रुपये का जुर्माना भरने का भी फरमान सुना दिया. पंचों ने पूरे समाज को पाबंद कर दिया कि कोई भी दुल्हनों के परिवार से संबंध नहीं रखेगा, न उनके घर आना-जाना होगा और न ही उनसे कोई बातचीत करेगा. इस मामले को लेकर पीड़ित परिवार ने पंचों के खिलाफ पुलिस के पास केस दर्ज कराया है. पीड़ित शंकराराम ने शिकायत कर कहा कि महिलाओं को भी समाज में पुरुषों की तरह ही अधिकार मिलें, यही सोचकर बेटियों को घोड़ी पर बैठाकर बंदोली निकाली थी, लेकिन कुछ संकीर्ण सोच वाले समाज के पंचों ने समाज से बहिष्कृत कर 50 हजार रुपये का जुर्माना लगा दिया और हुक्का पानी बंद कर दिया है. इस मामले में सिवाना थानाधिकारी नाथूसिंह का कहना है कि शंकराराम की शिकायत पर पुलिस ने पंचों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

Uttarakhand

जहरीली शराब कांड में खुलासा, पंचायत चुनाव से पहले स्प्रिट से बनी शराब से गई थी 12 लोगों की जान

पथरी (हरिद्वार), (एजेंसी) हरिद्वार में पिछले साल नौ व 10 नवंबर को पथरी के शिवनगर ग्राम पंचायत में 12 ग्रामीणों की हुई मौत स्प्रिट से बनी जहरीली शराब के सेवन से हुई थी। प्रयोगशाला से आई सैंपल की जांच रिपोर्ट से खुलासा हुआ है। स्प्रिट से बनी शराब बेहद जानलेवा होती है। ग्रामीण इलाकों में बिक्री के लिए कई लोग इसे बनाते हैं। पथरी में भी पंचायत चुनाव से ठीक पहले ग्रामीणों को स्प्रिट से बनी शराब परोसी गई थी। ग्रामीण इलाकों में अवैध शराब बनाई जाती है। पथरी कांड के बाद भी अवैध शराब बनाने का सिलसिला बंद नहीं हुआ है। आमतौर पर शराब बनाने के लिए एक निश्चित मात्रा में एथेनॉल का इस्तेमाल होता है, लेकिन अवैध शराब बनाने वाले एथेनॉल की जगह स्प्रिट, मिथाइल अल्कोहल, इथाइल अल्कोहल, यूरिया, ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन का इस्तेमाल करते हैं। इससे नशा अधिक होता है और लागत कम आती है। शिव नगर ग्राम पंचायत के चर्चित शराब कांड में भी स्प्रिट से बनी शराब ही ग्रामीणों को बांटी और परोसी गई थी। शराब पीने से 12 लोगों की मौत से प्रदेशभर में हड़कंप मच गया था और कई लोग बीमार हुए थे।

Himachal pradesh

ऑरेंज अलर्ट के बीच रोहतांग में बर्फबारी, मैदानी क्षेत्रों में बारिश, गर्मी से मिली राहत

शिमला, (एजेंसी) ऑरेंज अलर्ट के बीच हिमाचल प्रदेश में बारिश और बर्फबारी हुई है। राजधानी शिमला में झमाझम बारिश हुई है। अटल टनल रोहतांग के साथ धुंधी क्षेत्र में ताजा बर्फबारी होने के कारण सोलंग बैरियर से सिर्फ फोर बाई फोर वाहनों को ही सिस्सू की ओर भेजा रहा है। पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता से बदले मौसम के चलते प्रदेश के, अधिकतम पारे में तीन से चार डिग्री की कमी दर्ज हुई है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला ने बुधवार को भी प्रदेश के कई क्षेत्रों में बारिश और ओलावृष्टि का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। 22 अप्रैल तक हिमाचल में मौसम खराब बना रहने के आसार हैं।

New Delhi

राज्यों से भी सलाह लो, तब तक रोको सुनवाई, समलैंगिक शादियों को मंजूरी पर केंद्र सरकार का नया दांव

नई दिल्ली, (एजेंसी) समलैंगिक शादियों को मान्यता देने की मांग वाली याचिकाओं का विरोध कर रही केंद्र सरकार ने अब इस मामले में राज्यों को भी शामिल करने की मांग की है। केंद्र सरकार ने अदालत में बुधवार नया हलफनामा देते हुए कहा कि इस मामले में किसी फैसले से पहले राज्यों की भी राय लेनी चाहिए। सरकार ने कहा कि हमने राज्य सरकारों को लिखा है और उनके जवाब का इंतजार हो रहा है। ऐसे में राज्यों के जवाब आने तक इस मसले पर सुनवाई रोक देनी चाहिए या फिर उन्हें भी इस मामले में पार्टी देना चाहिए।

अदालत ने राज्यों को इस मामले में पार्टी बनाने से इनकार कर दिया है। इस पर केंद्र सरकार ने कहा कि तो फिर हमें ही वक्त मिलना चाहिए कि राज्यों की भी राय ली जाए। केंद्र सरकार ने कहा कि राज्यों की राय आने तक मामले को स्थगित रखना चाहिए। इससे पहले मंगलवार को भी सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार ने कहा था कि यह समवर्ती सूची का मसला है। केंद्र सरकार ऐसे मामलों में एकतरफा फैसला नहीं ले सकती। इसलिए राज्यों को भी इसकी प्रक्रिया में शामिल करना चाहिए। सरकार ने कहा कि इस अहम मामले में राज्य सरकारें भी एक पार्टी हैं। समलैंगिक शादियों का मसला राज्यों के अधिकार क्षेत्र में आता है। इसलिए उन्हें भी पार्टी बनाना चाहिए।

खेल

मोहम्मद सिराज से आरसीबी की अंदरूनी जानकारी मांग रहा था सटोरिया, तेज गेंदबाज ने खुद किया खुलासा

नई दिल्ली, (एजेंसी) रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने बीसीसीआई की एंटी करप्शन यूनिट (एसीयू) को भ्रष्टाचार से जुड़े एक मामले की जानकारी दी है। सिराज ने बताया है कि एक अज्ञात व्यक्ति ने उन्हें फोन किया था और आरसीबी की टीम से जुड़ी जानकारी मांग रहा था। यह एक ट्रक ड्राइवर है, जो आईपीएल के पिछले मैच में सट्टेबाजी में बहुत सारा पैसा गंवा चुका था। यह ड्राइवर सिराज से उनकी टीम के बारे में अंदरूनी जानकारी चाहता था।

इस मामले पर सिराज ने तुरंत एसीयू के अधिकारियों को फोन कॉल के बारे में सूचित किया। 'यह एक बुकी (सट्टेबाजी का गिरोह चलाने वाला) नहीं था जिसने सिराज से संपर्क किया था। यह हैदराबाद का एक ड्राइवर है जो मैचों पर सट्टा लगाने का आदी है। उसने बहुत पैसा खो दिया था और टीम के अंदर की जानकारी के लिए सिराज से संपर्क किया था।

बीसीसीआई के एक वरिष्ठ सूत्र ने बताया, 'सिराज ने तुरंत मामले की सूचना दी। कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने उस व्यक्ति को पकड़ लिया है। अधिक जानकारी की प्रतीक्षा की जा रही है।'

आईपीएल 2013 के दौरान एस श्रीसंत, अंकित चव्हाण और अजीत चंदीला को सीएसके टीम के पूर्व प्रिंसिपल गुरुनाथ मयप्पन के साथ स्पॉट फिक्सिंग के आरोपों में गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद बीसीसीआई ने अपने एसीयू के काम को बढ़ा दिया था। प्रत्येक टीम के लिए अलग एसीयू अधिकारी होता है जो उसी होटल में रहता है और वहां होने वाली सभी गतिविधियों की निगरानी करता है। साथ ही खिलाड़ियों के लिए क्या करें और क्या न करें पर एसीयू कार्यशाला अनिवार्य है और यदि कोई खिलाड़ी भ्रष्ट दृष्टिकोण की रिपोर्ट नहीं देता है तो उसके ऊपर कई तरह के प्रतिबंध लगाए जाते हैं।

बांग्लादेश के कप्तान शाकिब अल हसन को ऐसे ही मामले में 2021 में निलंबित कर दिया गया था क्योंकि, उन्होंने पिछले सीजन में अपने आईपीएल कार्यकाल के दौरान भ्रष्ट संपर्क की सूचना नहीं दी थी।

सिनेमा

अल्लू अर्जुन की पुष्पा 2 ने रिलीज से पहले ही दी शाहरुख की जवान को मात, टाइगर 3 और हेरा फेरी 3 भी हैं पीछे

आने वाले वक्त में कई बड़ी फिल्में रिलीज होने को तैयार हैं, कुछ के नाम का तो एक्साइमेंट इतना है कि सिर्फ अनाउंसमेंट के बाद से ही उसका चर्चा बनी हुई है। इस लिस्ट में शाहरुख खान की जवान से लेकर कार्तिक आर्यन की भूल भुलैया 3, सलमान खान की टाइगर 3 और अक्षय कुमार स्टारर हेरा फेरी 3 तक का नाम शामिल है। लेकिन इन सभी फिल्मों से ज्यादा दर्शकों को अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा : द रूल का इंतजार है। इस बीच ऑरमैक्स मीडिया ने एक लिस्ट शेयर की है, जिस में मोस्ट अवेटिड फिल्मों का जिक्र है।

पुष्पा 2 ने दी सबको मात... ऑरमैक्स मीडिया ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया है और अपकमिंग मोस्ट अवेटिड 5 फिल्मों का नाम बताया है। इस पोस्ट में शाहरुख खान की जवान से लेकर अल्लू अर्जुन की पुष्पा 2 तक शामिल है। वहीं लिस्ट में भूल भुलैया 3, हेरा फेरी 3 और टाइगर 3 भी शामिल है। ऑरमैक्स मीडिया ने अपने पोस्ट में ये भी साफ लिखा है कि ये फिल्में वह हैं जो जून 2023 के बाद रिलीज होंगी और साथ ही साथ इन में से किसी का भी ट्रेलर रिलीज नहीं हुआ है। नीचे देखें लिस्ट...

महिला के साथ हुई लूट का खुलासा

कारखाने में काम करने वाला ही निकला आरोपी

100 से अधिक कैमरे खंगालने के बाद पुलिस को मिली कामयाबी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदैर। **बडगोंदा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम कोदरिया में 10 अप्रैल को दिन दहाड़े लूट की घटना सामने आई थी। मंगलवार को पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से 45 हजार रूपए नगद और सोने की चैन का टुकड़ा भी बरामद हुआ।**

10 अप्रैल को कोदरिया के मानस रजत विहार कॉलोनी में रहने वाली नीलू तनवानी के घर में तीन बदमाश आलू चिप्स बेचने के बहाने घुस गए थे और लूट की घटना को अंजाम दिया था। मौके से आरोपी महिला की सोने की चेन और 80 हजार रूपए केस लेकर भाग निकले थे। इस दौरान महिला आरोपियों से भी लड़ी थी। मंगलवार शाम 6 बजे मामले का खुलासा करते हुए ग्रामीण एसपी हिकीता वासल ने बताया कि घटना वाले दिन से ही पुलिस इन आरोपियों को पकड़ने में लगी थी करीब 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरे के फुटेज भी खंगाले और स्केच के आधार पर पुलिस आरोपियों तक पहुंची।

प्रथम दृष्टया पुलिस ने डॉक्टर साहब बोलने वाले वर्ड को फोकस किया। आरोपियों ने सबसे पहले आकर महिला को बोला था कि डॉक्टर साहब को आलू की चिप्स के सैंपल दिखाने है। महिला के पति को डॉक्टर साहब बोलने वाले लोग केवल उनके करीबी ही थे, जो उनके आलू चिप्स के कारखानों पर काम करते थे। पुलिस ने चिप्स फैक्ट्री में काम करने वाले हरीश पिता किशोर जरिया को संदेह के घेरे में आने पर तकनीकी रूप से हरीश का परीक्षण किया।

यह सामने आया कि हरीश ने घटना क्रम की जानकारी अन्य साथियों को देकर घटनाक्रम को करवाया है। हरीश को हिरासत में लेकर घटना के संबंध में बारीकी से पूछताछ की और स्केच व फुटेज को दिखाया। हरीश ने घटना अपने साथियों कृष्णापटेल पिता दिनेश पटेल निवासी न्यू गुराडिया, अमन पिता दीपक रावत निवासी ग्राम सांतेर थाना किशनगंज, प्रद्युम सोलंकी पिता बलवीर सिंह सोलंकी नि. ग्राम भगोरा, राहुल पिता ओमप्रकाश मुकाती, विशाल पिता देवीलाल कौशल के साथ मिलकर कर प्रद्युमन की पल्सर गाड़ी से महंगे शौकों को पूरा करने के लिए घटना की थी। घटना में लूटे गये 80 हजार रुपए में से 45 हजार रुपए नगदी और सोने की चैन का टुकड़ा। घटना में ली गई पल्सर गाडी बिना नम्बर को बरामद किया है।

● इनकी रही भूमिका

वारदात का खुलासा करने में एडिशनल एसपी शशिकांत कनकने, कैलाश सोलंकी थाना प्रभारी थाना बडगौदा, अमित कुमार थाना प्रभारी थाना मानपुर, उनि अजव सिंह यादव, सउनि मुनेश यादव, प्र. आर रियाज खान, राकेश गोडाले रवि तिवारी सायबर सैल महू व संपूर्ण थाना बडगौदा स्टाफ की अहम भूमिका रही।

हेलमेट वालों को फूल-चाकलेट, बिना हेलमेट घर भेजा

● यातायात पुलिस का रोको टोको अभियान

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। शासन-प्रशासन और ट्रैफिक पुलिस दोपहियवा वाहन चालकों को हेलमेट लगाने के लिए जागरूक कर रही है। शहर में रोको-टोको अभियान चलाया जा रहा है। जो वाहन चालक हेलमेट लगाए हुए थे, उन्हें चाकलेट और गुलाब का फूल दिया, वहीं बिना हेलमेट वाहन चालकों को घर भेज दिया गया।

मंगलवार को अभियान का दूसरा दिन था। यातायात प्रबंधन की विभिन्न टीम को बंगाली चौराहे पर गोयल नगर में आने-जाने वाले चिह्नित 13 पाइंट पर तैनात किया गया था। टीम ने स्टॉपर्स, बैरिकेड्स, बैनर लगाए, माइक से अनाउंस कर टू व्हीलर चालकों से हेलमेट लगाकर गाड़ी चलाने की अपील की। टीम ने हेलमेट पहनने वालों को प्रोत्साहित किया। वहीं जो बिना हेलमेट के मिले उन्हें हेलमेट लगाने की समझाइश दी।

इस अभियान में क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि सहित रहवासी भी पाइंट पर पहुंचे। हेलमेट पहनकर गाड़ी चलाने वालों को चॉकलेट और फूल देकर प्रोत्साहित किया। जो बिना हेलमेट के घर से निकले उन्हें हेलमेट पहनने की हिदायत दी। हेलमेट पहनकर आए वाहन चालकों ने हमेशा हेलमेट पहनने का वादा किया। साथ ही बिना हेलमेट पहने वाहन चालकों को वापस घर भेजा गया और उनका नाम, गाड़ी नंबर की डिटेल भी ट्रैफिक पुलिस ने नोट की। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि शहर में रोको-टोको अभियान प्राथमिकता से सतत चलाया जा रहा है।

तेज रफ्तार 20 वाहनों के चालान बनाए

यातायात प्रबंधन पुलिस द्वारा मंगलवार को सहायक पुलिस आयुक्त अरविंद कुमार तिवारी के साथ सूबेदार सुमित बिलोनिया, सूबेदार भागीरथ अहिरवार द्वारा नर्मदापुरम चौराहा रोड पर अधिकतम गति सीमा का उल्लंघन करने वाले वाहनों पर कार्यवाही की। कार्यवाही के दौरान तय सीमा अधिक गति में वाहन चलाने वाले 20 चालकों पर चालानी कार्यवाही कर 20 हजार रुपए समन शुल्क वसूला गया। साथ ही पुलिस ने वाहन चालकों को निर्धारित गति सीमा का पालन करते हुए व सीट बेल्ट लगाकर वाहन चलाने की हिदायत भी दी गई।

कंपनी के तीन अधिकारियों पर केस दर्ज

केमिकल रिसाव से दो घायल श्रमिकों में से एक की इलाज के दौरान हुई थी मौत; आरोपी फरार

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। समीपस्थ औद्योगिक नगरी पीथमपुर में 25 फरवारी को एक फैक्ट्री में काम करने के दौरान दो श्रमिक केमिकल गैस का रिसाव से घायल हो गए थे। अस्पताल में एक श्रमिक की मौत हो गई थी। इस श्रमिक की मौत के मामले में जिम्मेदार अधिकारियों पर पीथमपुर पुलिस ने जांच के बाद मामला दर्ज किया है।

पीथमपुर पुलिस ने शासन की तरफ से केस दर्ज किया है। जांच अधिकारी अरूण कुमार मिश्रा ने बताया कि इस मामले में पुलिस की तरफ से धारा-284 व 304-अ भादवि के तहत आरोपी विनय प्रताप राघव पिता बदनसिंह निवासी इंदौर, करन सिंह पिता वशिष्ठ नारायण सिंह निवासी इंदौर व सुनील कुमार मेहरा पिता नेमीचंद निवासी इंदौर के खिलाफ केस दर्ज किया है। हालांकि अभी आरोपी फरार हैं। घटना दिनांक 25 फरवरी को सिम्बायोटेक फामार्लैब प्राइवेट लिमिटेड प्लॉट नंबर 5, 6, 7, 8 फार्मा जोन एसईजेड फेस 2 सेक्टर 3 पीथमपुर में कार्यरत गोविंद सावले पिता कालु सावले निवासी अकोलिया पीथमपुर और कैलाश यादव ईटीपी प्लांट की सफाई कर रहे थे। इस बीच दोनों श्रमिकों को जरूरी सुरक्षा साधन भी नहीं दिए थे। इस बीच प्?लांट में केमिकल रिसाव के चलते दोनों श्रमिक बेहोश होकर बॉयलर में गिर गए। उसके बाद दोनों को अस्पताल भिजवाया गया, लेकिन इस बीच गोविंद की मौत हो गई। जांच के बाद पुलिस ने कंपनी के तीन अधिकारियों के खिलाफ बगैर सुरक्षा उपकरण काम करवाने से मौत का मामला दर्ज किया है।

सफाईकर्मियों ने पकड़ा मोबाइल चोर

इंदौर। पीपल्याहाना मंडी स्कीम 140 में दो महिलाओं के साथ लूट की वारदात हो गई। एक लुटेरा मोबाइल लेकर भाग गए जबकि उनका साथी निगमकर्मियों के हत्थे चढ गया। उससे एक बाइक भी जब्त की गई है। घटना रात डेढ बजे की बताई जा रही है, जब पीपल्याहाना हाट मंडी के पास से दो महिलाएं एक युवक के साथ जा रही थी। तभी पीछे से बाइक पर आए दो युवकों ने उनसे मोबाइल छीन लिया और तेजी से भाग खड़े हुए। इसी दौरान वहां सफाई कर रहे निगम स्वास्थय विभाग के कर्मचारियों ने उसका पीछा किया तो एक बाइक सवार बदमाश का रास्ते में पेट्रोल खत्म हो गया। उसके रुकते ही निगमकर्मियों ने उसे पकड़ लिया और जमकर पिटाई की तथा बाद में उसे तिलक नगर पुलिस के हवाले किया गया। पुलिस आरोपी से साथी और अन्य वारदातों के बारे में पूछताछ कर रही है।

सड़क हादसे में मौत

इंदौर। बाइक सवार दंपत्ति को एक अन्य वाहन ने टक्कर मार दी। घटना में पति की मौत हो गई। 56 साल के निर्भय सिंह पिता नंदाराम निवासी मतलबपुरा मानपुर बेटमा की तरफ बाइक पर सवार होकर रिश्तेदार के यंहा कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जा रहे थे तभी उनकी बाइक एक अन्य वाहन से टकराई और दोनों सड़क पर गिर गए। गंभीर चोट लगने के चलते निर्भयसिंह की इलाज के दौरान मौत हो गई। बेटमा पुलिस मर्ग कायम कर टक्कर मारने वाले वाहन चालक की तलाश कर रही है। इसी प्रकार गत 14 अप्रैल को डाक्टर भीमराव अंबेडकर जन्मोत्सव मनाकर महू से लौट रहे बाइक सवार अमर टेकरी निवासी 45 वर्षीय गोविंद और उसकी पत्नी रेखा को किसी वाहन ने राजेंद्र नगर क्षेत्र में टक्कर मार दी थी रेखा को गंभीर चोटे लगने के चलते उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था जंहा उसकी मौत हो गई।

लाखों के गबन में क्लर्क को आठ वर्ष कठोर कारावास

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। फर्जी चेक बनाकर लाखों रुपये का गबन करने वाले भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआइसी) के उच्च श्रेणी सहायक को जिला न्यायालय ने आठ वर्ष कठोर कारावास की सजा सुनाई। आरोपित एलआइसी के आय-व्यय खाता विभाग में पदस्थ था। वह आय एवं व्यय खाते के चेकों में कांटछांट कर चेक अपने नाम पर बनाकर स्वंय के यूटीआइ बैंक के बचत खाते में जमा करवा देता था। इस तरह से उसने 15 लाख रुपये से ज्यादा रकम अपने खाते में जमा कर ली। आरोपी का नाम यशवंत पुत्र डोंगरू धार्मिक निवासी श्याम नगर इंदौर है। 14 अक्टूबर 2006 को एलआइजी के अधिकारी ने पुलिस में मामले की शिकायत दर्ज कराई थी। इसमें कहा था कि यशवंत धार्मिक ने एलआइसी के आय-व्यय खाते के चेकों में कांटछांट कर उन्हें अपने नाम के बचत खाते में जमा करा लिया है। गबन का पता उस वक्त चला जब आरोपित द्वारा बचत खाते में चेक जमा कराने के लिए प्रस्तुत करने पर संबंधित बैंक अधिकारी ने एलआइसी के अधिकारी से चेक में कांटछांट को लेकर पूछा। मामले की जांच हुई तो पता चला कि आरोपित कई वर्षों से इस तरह से कांटछांट कर रकम अपने बचत खाते में जमा करा रहा है। यह रकम 15 लाख रुपये से भी ज्यादा थी। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ धारा 420, 467, 468, 471 के तहत प्रकरण दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया।

sponcership

Detective Group Report
SUBSCRIBE

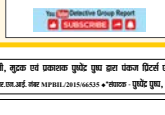

दैनिक समाचार पत्र/न्यूज़ पोर्टल/न्यूज़ चैंनल
Daily Newspaper
www.dgr.co.in
Worldwide News portal
www.detectivegroupreport.com
Worldwide Youtube channel
https://youtube.com/c/DETECTIVEGROUPREPORT

समाचार, विज्ञापन और समूह से जुड़ने के लिए संपर्क करें
+91 91110 30505
Email-: dgrnewsnetwork@gmail.com

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं 406- इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित।
◆ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535 ◆*संपादक - पुष्पेंद्र पुष्प, ◆ प्रबंध संपादक - महेन्द्र आर.पालीवाल, ◆ समूह PRO - एल.एन. उग्र ◆ फोन : 0731-2433676, मो.नं. 91111-56060 Website : www.dgr.co.in *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।